पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद की कार्यशाला का उद्घाटन किया
उर्दू का अपना एक शानदार इतिहास रहा है - राज्यपाल

लखनऊः 16 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, भारत सरकार द्वारा संकायों को मौजूदा तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण मुहैया कराने के उद्देश्य से आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का होटल क्लार्क अवध में उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, पद्मश्री श्री मुज्जफर हुसैन, परिषद के निदेशक, प्रो0 ख्वाजा मोहम्मद इकराम उद्दीन, नाईलिट चण्डीगढ़ के संयुक्त निदेशक, श्री दीपक वासन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू भाषा को लोकप्रिय और सर्वसुलभ बनाने के लिये नयी तकनीक से जोड़ने की जरूरत है। नयी पीढ़ी को इस भाषा से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए। उर्दू महत्व की भाषा है। यह किसी धर्म विशेष की भाषा न होकर आम आदमी की भाषा है। सभी भाषाएं राष्ट्रीय और एक समान हैं। इनमें कोई भी भाषा छोटी या बड़ी नहीं है। भारत में उर्दू, हिन्दी के बाद सब से ज्यादा बोली व समझी जाने वाली भाषा है। उन्होंने कहा कि सभी भाषायें आपस में छोटी-बड़ी बहनें हैं।

श्री नाईक ने कहा उर्दू का अपना एक शानदार इतिहास रहा है। उर्दू को समृद्ध करने में हिन्दू और मुसलमानों ने संयुक्त रूप से काम किया है। हमारे देश में ऐसे अनेक उर्दू के विद्वान हैं जो मुस्लिम नहीं थे। फिराक गोरखपुरी, बृज नारायण चकबस्त जैसे अनेक नाम हैं जिन्होंने उर्दू साहित्य को समृद्ध किया है। पहली जंग-ए-आजादी में उर्दू पत्रकारिता ने अखबारों के माध्यम से जनता तक संदेश पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा कि उर्दू किसी वर्ग विशेष की भाषा न होकर भारतीय भाषा है।

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद के उपाध्यक्ष, पद्मश्री श्री मुज्जफर हुसैन ने कहा कि हम उर्दू वालों के लिए यह खुशी की बात है कि उर्दू ज़बान आज आधुनिक तकनीक से जुड़ चुकी है और परिषद ने इस सिलसिले में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उर्दू इस देश की मिट्टी से जन्मी है और कौम व मुल्क की तामीर में इसका नुमाया किरदार रहा है। इसलिए इस जबान को एक खास वर्ग के साथ जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद के निदेशक, प्रो0 ख्वाजा मोहम्मद इकराम उद्दीन ने विभिन्न राज्यों से आए अध्यापकों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए परिषद के उद्देश्यों व कार्यों पर रोशनी डाली।

नाईलिट चण्डीगढ़ के संयुक्त निदेशक, श्री दीपक वासन जैन ने कहा कि यह दौर इरादों के आपसी तालमेल का दौर है और नाइलिट चंडीगढ़ और उर्दू परिषद ने इस सिलसिले में बेहतरीन मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाओं के कम्प्यूटर केंद्रों के जिम्मेदारों के भरपूर योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

कार्यक्रम में राज्यपान ने एक उर्दू साफ्टवेयर भी लाँच किया।

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद
قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان
National Council for Promotion of Urdu Language
In Collaboration with
Vice Chairman, NCPUL
Hon'ble Governor, Uttar Pradesh

Vice Chairman NCPUL
Hon'ble Governor, Uttar Pradesh
Director, NIELIT

Urdu Language